वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 96 | मंगलवार 30 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा अंगदान एवं प्रत्यारोपण जागरुकता संवाद और सम्मान समारोह आयोजित

अंगदान के प्रति जागरूकता के लिए चलाएं अभियान, इससे जुड़ी सेवाओं का हो विस्तार: राज्यपाल मिश्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारत में प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख लोग अंग प्रत्यारोपण नहीं होने से अपनी जांन गंवा रहे हैं। अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता और अंग उपलब्ध होने की संख्या के बीच अभी भी बहुत बड़ा अंतर है। इसके मद्देनजर अंगदान के प्रति जागरूकता का सघन अभियान चलाना जरूरी है। राज्यपाल मिश्र ने सोमवार को रवींद्र रंगमंच में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज और स्टे ऑर्गन एंड टिशु ट्रांसप्लांट आगेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंगदान एवं प्रत्यारोपण जागरूकता संवाद तथा सम्मान समारोह में कहा कि अंगदान मानवता के लिए समर्पण से जुड़ा कार्य है। उन्होंने अंगदान कर दूसरों को नया जीवन देने वाली महान आत्माओं को नमन भी किया। राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने असुरों से रक्षा के लिए शस्त्र बनाने के लिए अपनी देहदान कर दी। उनकी हड्डियों से वज्र नामक अस्त्र का निर्माण हुआ जिससे इन्द्र ने असुरों पर विजय प्राप्त की। उन्होंने बताया कि भारत में प्रति दस लाख आबादी पर केवल 0.16 लोग अंगदान करते हैं। वहीं प्रति दस लाख की आबादी पर स्पेन में 36, क्रोएशिया

में 35 और अमेरिका में 27 लोग अंगदान करते हैं। मिश्र ने कहा कि स्पेन अंगदान और प्रत्यारोपण के मामले में अग्रणी है। यूरोपियन यूनियन ने भी अंगदान के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सूचना आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है। भारत में भी राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन इस दिशा में काम कर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि रेडक्रॉस के अंगदान जागरूकता कार्यक्रम से दूसरों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने आह्वान किया कि राजस्थान में अंगदान की जागरूकता के लिए अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए और राज्य में अंगदान से जुड़ी सेवाओं का विस्तार हो। जहाँ अंग प्रत्यारोपण संबंधी उपकरण मौजूद हैं, वे सभी राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के साथ पंजीकृत हों। उन्होंने कहा कि यदि अंगदान में वाणिज्यिक प्रयोग की प्रवृत्ति यदि पाई जाती है तो वह समाज के लिए कलंक है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'आयुष्मान भारत' योजना के माध्यम से अंगदान और प्रत्यारोपण को प्रोत्साहित किया है। राजस्थान सरकार भी इस दिशा में निरंतर कार्यरत है और अंगदान को जन आंदोलन बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय और एसपी मेडिकल कॉलेज ने अंगदान जागरूकता और प्रत्यारोपण में कई सफलताएं हासिल की हैं। उन्होंने आह्वान किया कि मेडिकल कॉलेजों में विद्यार्थियों को अंगदान की महत्ता बताई जाए जिससे वे अपने पेशेवर जीवन में इस नेक कार्य को प्रोत्साहित कर सकें। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के प्रदेश चेयरमैन राजेश कृष्ण बिड़ला ने कहा कि सोसायटी आपदा प्रबंधन के साथ सामाजिक सरोकारों के काम कर रही है। अंगदान के प्रति जागरूकता इसमें सबसे महत्वपूर्ण है। इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। कर्मकांडी पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार किया गया। राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना एवं मूल कर्तव्यों का वाचन किया। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के स्टेट वाइस चेयरमैन विजय खत्री ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने सोसायटी की अब तक की गतिविधियों की जानकारी दी। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. धनंजय अग्रवाल ने कहा कि बीकानेर में जल्दी ही अंग प्रत्यारोपण सुविधा उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अंग प्रत्यारोपण महायज्ञ है। इसमें सबकी भागीदारी होनी चाहिए। राजस्थान अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के सलाहकार डॉ. धर्मेश कुमार शर्मा ने अंगदान एवं प्रत्यारोपण के प्रति जागरूकता पर प्रस्तुतिकरण दिया। राज्यपाल ने अंगदान के प्रति जागरूकता से जुड़े पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान अंगदाता स्व. आदित्य नैण के पिता पूणार्राम नैण ने उद्बोधन दिया। राज्यपाल ने पूणार्राम नैण का अभिनंदन किया। अभिनंदन पत्र का वाचन डॉ. तनवीर मालावत ने किया।

जयपुर के यात्रा दल के यात्रियों ने पुष्पगिरी तीर्थ में किये मंदिरों के दर्शन

आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज ससंघ से लिया आशीर्वाद। यात्रा के दौरान कर रहे भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर से गुरुवार 25 जुलाई को श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ के तत्वावधान में संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं यात्रा के मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल के नेतृत्व में रवाना हुए 7 दिवसीय धार्मिक यात्रा ने सोमवार 29 जुलाई को पुष्पगिरी तीर्थ पर मंदिरों के दर्शन लाभ प्राप्त किए। इस मौके पर क्षेत्र पर प्रवासरत आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के मंगल दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा प्रकाशित महावीर जयंती स्मारिका भी आचार्य श्री को भेट की गई। संरक्षक सुभाष चन्द जैन ने बताया कि पुष्पगिरी में प्रातःकालीन भोजन के बाद रवाना होकर अतिशय क्षेत्र मक्शी पारसनाथ पहुचे जहां भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन लाभ प्राप्त कर भजनों के माध्यम से भगवान की भक्ति की गई। जिसमें सुभाष चन्द जैन, अमर चन्द दीवान

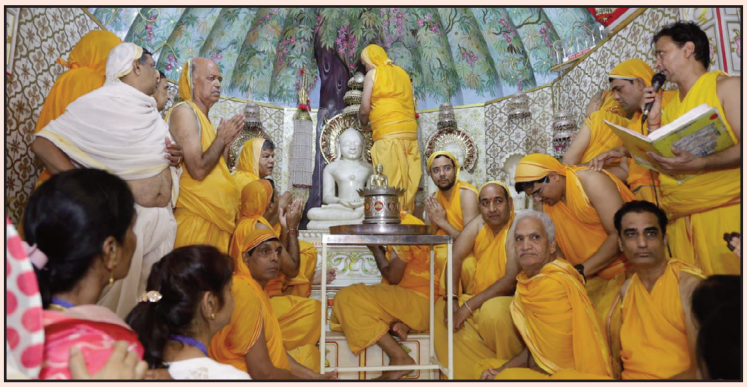

खोराबीसल, सूरेश ठोलिया, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, सलिल जैन, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, मैना बाकलीवाल, देवेन्द्र गिरधरवाल, विक्रम जैन, शकुंतला पाण्डया, ऊषा दीवान,मीना चौधरी, मोना बाकलीवाल आदि ने भजनों पर भक्ति नृत्य किये। इस मौके पर भगवान पार्श्वनाथ की महाआरती भी की गई। मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल ने बताया कि सायंकाल उज्जैन महाकालेश्वर के दर्शन करते हुए महावीर तपोभूमि जाकर रात्रि विश्राम किया। संघ के प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि बुधवार 31 जुलाई को चांदखेडी में पुरुष यात्री प्रातःजैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर मूलनायक भगवान आदिनाथ के जयकारों के साथ सामूहिक अभिषेक एवं शांतिधारा का पुण्यार्जन करेंगें। तत्पश्चात पूजा अर्चना एवं भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का पाठ किया जाएगा। प्रातः कालीन भोजन के बाद यात्रा दल कोटा पहुंचेगा जहां दिगम्बर जैन मंदिरों एवं दादाबाडी नसियां के दर्शन लाभ प्राप्त करते हुए रात्रि में चम्बल रिवर फ्रन्ट का भ्रमण करेंगे। कोटा से रात्रि में रवाना होकर देर रात्रि में यात्रा दल जयपुर लौटेगा। जयपुर में भट्टारक जी की नसियां के बाहर समाज बन्धुओं द्वारा आयोजकों एवं सभी यात्रियों का भावभीना स्वागत किया जाएगा। मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल ने बताया कि यात्रा के दौरान अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा अर्चना,पर्वत वन्दना,साधु संतों के दर्शन लाभ एवं प्रवचन लाभ , धार्मिक एवं देशभक्ति पर आधारित मेरा भारत महान हाऊजी, धार्मिक आयोजन के साथ भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा शाकाहार का प्रचार प्रसार किया जा रहा है ।

विनोद जैन कोटखावदा
संयोजकः धार्मिक यात्रा दल

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर का पर्यावरण संरक्षण अभियान

पर्यावरण संरक्षण के लिए पार्को में लगाये 101 पौधे, लिया देखभाल का संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर द्वारा मुख्यमंत्री के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों, पार्को एवं जैन मंदिरों एवं जैन धर्मशालाओं के परिसर में अधीनस्थ पांचो सम्भाग एवं 15 जोनों के माध्यम से 15000 पौधे लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि अभियान के तहत अजमेर रोड पर बड के बालाजी में पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर विभिन्न किस्मों के 101 पौधे लगाये गये तथा प्रत्येक परिवार को एक पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जयपुर जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया, समाजसेवी टीकम टेमाणी, ललित सरावगी, अजय जैन, गिर्राज अग्रवाल, सुरेन्द्र पाटनी, संतोष बगडा, मुकेश बैनाडा, ललित पाटनी, आभा सरावगी, मृदुला पाटनी, निशा बडजात्या सहित बडी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संगीत संस्थान में विशेष व्याख्यान आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान संगीत संस्थान में मासिक व्याख्यान श्रृंखला के अन्तर्गत जयपुर घराने की प्रसिद्ध नृत्यांगना श्रीमती मंजरी महाजनी द्वारा ''कथक नृत्य, गुरु शिष्य परम्परा एवं वर्तमान शिक्षा प्रणाली'' विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा उपस्थित विद्यार्थियों के साथ संवाद भी किया। प्राचार्य प्रो. दिलीप गोयल ने बताया कि संस्थान के आगामी सत्र में विद्यार्थियों के लिए प्रति माह प्रख्यात संगीतज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए जाएंगे, जिसमें वे अपने अनुभव विद्यार्थियों से साझा करेंगे। कार्यक्रम का संचालन कथक गुरु डॉ. कविता सक्सेना द्वारा किया गया।

भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा ऐलनाबाद द्वारा पौधारोपण किया

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाभारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा ऐलनाबाद द्वारा पौधारोपण किया बाद । समसारा पब्लिक स्कूल शेखूखेड़ा में भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा ऐलनाबाद द्वारा पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शाखा के चीफ मैनेजर सुरेश कुमार दहिया व फील्ड ऑफिसर शेर सिंह अपनी टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार व फूलदार पौधे अपने हाथों से रोपित किए तथा काफी संख्या में विद्यार्थियों को वितरण हेतु भी पौधे स्कूल प्रशासन को सौंपे गए। इस मौके पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखा ऐलनाबाद के चीफ मैनेजर सुरेश कुमार दहिया ने जानकारी दी कि हमें धरती को हरा भरा रखने हेतु अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है जिससे पर्यावरण भी शुद्ध रहेगा तथा पेड़ पौधों से हमें फल, फूल ,छाया भी मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने व उनकी देख-देख करने हेतु प्रेरित किया। यह कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम के तहत किया गया। विद्यालय के चेयरमैन जुगल किशोर मेहता ने स्कूल प्रशासन की ओर से भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों का धन्यवाद किया कि उन्होंने अपना कीमती समय निकालकर यहां पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न करवाया।

इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ ने हर परफोर्मेंस में मारी बाजी - प्रेरणा क्लब के टेलेंट शो में दिखाया हुनर

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। प्रेरणा क्लब द्वारा आयोजित टेलेंट शो में इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ ने बाजी मारी। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी व सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता ने बताया कि प्रेरणा क्लब द्वारा आयोजित आधुनिक व पारम्परिक टैलेंट शोज में इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ के सदस्यों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कैटवॉक राउंड में क्लब सदस्या डॉ वीनू बवेजा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंताक्षरी में डॉ सुशीला बरथुनिया, सुशीला मित्तल, सरिता भूटानी, मोनिका गर्ग, दीपिका शेला अग्रवाल, राजबाला अग्रवाल, प्रमिला पारीक, व रजनी गोयल ने भाग लिया और सेकेंड स्थान पर रहे। संगीत (गायन एवं नृत्य) में योगदान के लिए शशि सक्सेना को सम्मानित किया। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी क्लबों मे बेस्ट क्लब का एवार्ड भी इनरव्हील क्लब कोटा नार्थ को मिला जो श्रुति जोहरी, व नीलाक्षी जी ने प्रेरणा क्लब की और से दिया।

लहरिया थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। शक्ति नगर जयपुर में सावन माह की किट्टी दिनांक 29 जुलाई को लहरिया थीम पर रखी गई। किट्टी में सावन थीम पर हाऊजी और रोचक गेम खिलाए गए जिसमे मीनू गंगवाल प्रथम व अंकिता बिलाला द्वितीय रही। किट्टी में सावन क्वीन का भी चयन किया गया जिसमे सुनीता अजमेरा (शक्ति नगर) विजेता रही । बाकी सभी मेंबर्स को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बाद में सभी मेंबर्स ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

वेद ज्ञान

शब्दब्रह्म

शब्दब्रह्म रूपी कमल आचरण व साधना की उर्वरा भूमि पर ही खिलता है। आचरण की सभ्यता व मौलिकता इसकी दीर्घजीविता का मूल है। आडंबर व कृत्रिमता की कोख से जन्मा शब्द, शब्दभ्रम तो हो सकता है, लेकिन शब्दब्रह्म नहीं। शब्द ब्रह्म अकाट्य, अनश्वर व अविनाशी होता है। शब्दब्रह्म के चुने गए खुशबूदार शब्द-पुष्पों से वाणी का निर्माण होता है। वाणी अभिव्यक्ति का शाश्वत शृंगार है। व्यक्ति के क्षय हो जाने के बाद भी वाणी किसी न किसी रूप में ब्रह्मांड में कायम रहती है। शब्दभ्रम के कृत्रिम पुष्पों से अभिव्यक्ति का सांसारिक गंतव्य तो सिद्ध हो सकता है, लेकिन जीवन के असली गंतव्य और शब्दब्रह्म की शाश्वतता और स्थायित्व को प्राप्त नहीं किया जा सकता। जब शब्द व अभिव्यक्ति आचरण और तप साधना में पगकर उपजते हैं तो वे भाषाई मिसाइल का कार्य करते हैं। आचरणयुक्त अनुप्रयोग की शत-प्रतिशतता से वे गृहीता का भी कायाकल्प करने की क्षमता रखते हैं। शब्दों का अपव्यय इनकी ऊर्जा व शक्ति-सामर्थ्य को भी कम कर सकता है, जबकि इनका संचय व सार्थक उपयोग नई जीवनीशक्ति उपहार में देता है। अविवेकपूर्ण शब्द प्रयोग दुविधा उत्पन्न कर खुद को ही तनाव, दबाव और चिंता में डाल देता है। इसके विपरीत शब्द का सार्थक व सोद्देश्य निवेश दूसरों के लिए भी कल्याणकारी सिद्ध होता है। शब्दब्रह्म की प्रामाणिकता प्राप्त कर देने वाला शब्द दूसरों के कष्ट, संताप, व्याधि व वेदनाओं का भी हरण कर सकता है। स्वयं और दूसरों के लिए वह सर्वथा हितैषी व कल्याणकारी सिद्ध होता है। परिष्कृत शब्द संत की तरह निर्मल और निश्छल होता है। वह हृदय सरोवर में लोगों के उद्धार के लिए ही अवतरित होता है। वही कभी मीरा, नानक, कबीर, रैदास की वाणी बनकर युग का नेतृत्व व मार्गदर्शन करता है और कभी गीता, भागवत व पुराणों की मंत्र-संहिता बनकर साधकों की मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला शक्तिपीठ बनता है। वह दूसरों को व्याधि-मुक्त करने का अमोघ-शस्त्र है। झूठ, कुचिंतन व कुसंगति-प्रेरित शब्द समाज में जहर, वितृष्णा व वैमनष्यता के अलावा कुछ भी प्रचारित-प्रसारित करने की सामर्थ्य नहीं रखते। विध्वंसक बनकर वे निरंतर मन व समाज को तोड़ने का कार्य करता है।

संपादकीय

प्रदूषण की समस्या और सरकारी महकमों की हकीकत

दिल्ली में प्रदूषण की गहराती समस्या को लेकर आए दिन चिंता जताई जाती है, लेकिन इसे दूर करना प्राथमिकता में शामिल नहीं है। ठोस अपशिष्ट के निपटान को लेकर टालमटोल का रवैया यही दिखाता है कि संबंधित सरकारी महकमों की ओर से प्रदूषण से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने के दावों की हकीकत क्या है। दिल्ली की आबोहवा को नुकसान पहुंचाने में ठोस अपशिष्ट की भूमिका से सभी वाकिफ हैं। इसका यहां के लोगों को

बहुस्तरीय नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसी रवैये पर शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय ने काफी हैरानी जताई और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में घोर लापरवाही को लेकर दिल्ली नगर निगम को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने साफतौर पर कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के क्रियान्वयन की स्थिति बेहद दयनीय है; यहां प्रतिदिन तीन हजार टन से अधिक ठोस अपशिष्ट अनुपचारित रह जाता है, जो कभी भी जन स्वास्थ्य के लिए आपात स्थिति का कारण बन सकता है। सवाल है कि दिल्ली में ठोस अपशिष्ट के निपटान में लापरवाही को किस हद तक छूट दी जा सकती है। गौरतलब है कि दिल्ली में हर रोज करीब ग्यारह हजार टन से ज्यादा ठोस अपशिष्ट पैदा होता है, जिसमें लगभग तीन हजार टन कचरे का निपटान नहीं हो पाता। अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक

महीने में यह आंकड़ा क्या हो जाता होगा और उससे समस्या की गंभीरता किस स्तर पर पहुंच सकती है। एक सवाल यह भी है कि अगर इतनी बड़ी मात्रा में कचरे का निपटान नहीं हो पाता, तो उसका क्या होता है और आसपास के इलाकों में उसका क्या असर पड़ता होगा। छिपा नहीं है कि दिल्ली में भलस्वा, गाजीपुर और ओखला कचरा पट्टियों पर जितने बड़े पैमाने पर ठोस अपशिष्ट जमा होता गया है, उससे आसपास के इलाकों में भयावह समस्याएं पैदा हो गई हैं। इन जगहों पर अक्सर आग लगने और कई-कई घंटों तक कचरा जलते रहने की खबरें आती रहती हैं, जिससे वहां के लोगों का रहना दूभर हो जाता है। इसलिए अगर सुप्रीम कोर्ट ने इसकी वजह से जन स्वास्थ्य के लिए आपात स्थिति पैदा होने की आशंका जाहिर की है, तो इसकी गंभीरता को समझने की जरूरत है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पौधों के बदले नाम

मानव संसार धीरे-धीरे शालीन हो रहा है, इसी कड़ी में पहली बार वनस्पतिशास्त्रियों ने निर्णय लिया है कि 200 से अधिक पौधों, कवक और शैवाल प्रजातियों के नामों को बदला जाएगा। सदियों से इन प्रजातियों के ऐसे नाम रखे जाते रहे हैं, जिनसे नस्लवाद की बू आती है। मध्ययुगीन बर्बरता की वजह से भी खासकर अफ्रीका में पाई गई विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के नाम नस्लीय आधार पर रखे गए थे। एक लंबा दौर था, जब अफ्रीकी देशों में लोगों और वहां की संस्कृति के साथ ही वहां की प्रकृति को भी हिकारत भरी निगाहों से देखा गया। शायद यह वही दौर था, जब अफ्रीकियों को दास बनाकर दुनिया की बदनाम दास मंडियों में बेचा जाता था। अनेक नाम ऐसे रखे गए, जो स्थानीय बोलियों में बिल्कुल गाली की तरह थे। वनस्पतियों के नाम रखते हुए ह्यकैफ्राह्न शब्द का सर्वाधिक इस्तेमाल किया गया। अब चूंकि पूरी दुनिया में रंगभेद और नस्लवाद के खिलाफ निरंतर आंदोलन चलते रहे हैं, तो वनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञों का यह फैसला बहुत सुखद और स्वागतयोग्य है। पहली बार, शोधकर्ताओं ने ऐसे वैज्ञानिक नामों को खत्म करने के लिए मतदान किया है, जो आपत्तिजनक हैं। ये ऐसे शब्द या नाम हैं, जिनका उपयोग ज्यादातर दक्षिणी अफ्रीका के अश्वेतों के खिलाफ किया जाता रहा है। मैड्रिड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वनस्पति कांग्रेस में इन बदलावों के पक्ष में बाकायदा मतदान हुआ। पूरी सावधानी बरतते हुए गुप्त मतदान किया गया, नाम सुधार के पक्ष में 351 वोट पड़े, जबकि विरोध में 205। मिसाल के लिए, इसका एक बड़ा लाभ यह होगा कि साल 2026 से तटीय मूंगा जैसे पौधों को औपचारिक रूप से एरिथ्रिना कैफ्रा के बजाय एरिथ्रिना एफ्रा कहा जाएगा। नेल्सन मंडेला यूनिवर्सिटी (एनएमयू) के वनस्पति विशेषज्ञ गिदोन स्मिथ कहते हैं कि हमें इस प्रक्रिया में हमारे सहयोगियों से वैश्विक समर्थन का पूरा भरोसा था, भले ही वोट का नतीजा करीबी रहने वाला था। बेशक, नस्लभेदी या रंगभेदी नामों को बदलना जरूरी था, ताकि नफरत के आदिम दौर से पीछा छुड़ाया जा सके। बदलाव के पक्षधर वैज्ञानिकों को शायद शुरू में परेशानी और विरोध का सामना करना पड़ेगा, बहुत सारी किताबों को फिर प्रकाशित करने की जरूरत पड़ेगी, पर यह फैसला हर दृष्टि से गरिमापूर्ण और न्यायपूर्ण है। किसी भी किताब में अपशब्दों की क तई जरूरत नहीं है। निरंतर सभ्य और शालीन समाज के निर्माण के लिए ऐसे सुधार की कोशिश लंबे समय से जारी थी। इससे नाम सुधार की समग्र प्रक्रिया को बल मिलेगा। समाज में व्याप्त ऐसे अनगिनत शब्द हैं, जो किसी न किसी मानव समूह या वर्ग के लिए अपमानजनक हैं। ऐसे में, एक साथ 200 नाम बदलने का फैसला प्रेरणा की वजह बनेगा। शायद हर देश को अपने स्तर पर अपमानजनक नामों से छुटकारा पाना होगा। बहरहाल, वनस्पति विज्ञान में अब नए नाम रखते हुए भी काफी सावधानी बरतने का इरादा है। तमाम वैज्ञानिक सहमत हैं कि अब नाम ऐसे नहीं रखे जाएंगे, जिनसे कोई आहत हो। मसलन, यदि अकेले ऑस्ट्रेलिया की बात करें, तो वहां जल्द ही सबसे बड़ी चुनौती उन हजारों नई प्रजातियों के नामकरण की होगी, जिनकी खोज हो चुकी है या होने वाली है। पिछले 50 वर्षों में लगभग 7,000 ऑस्ट्रेलियाई पौधों की प्रजातियां दर्ज हुई हैं, जिनका नामकरण होना बाकी है। ऐसे में, 200 वनस्पतियों के नामों में बदलाव के साथ यह महज एक शुरूआत है।

48 बालकों का उपनयन संस्कार किया

खिमलासा. शाबाश इंडिया। श्री शांति सागर पाठशाला खिमलासा आचार्य श्री 108 विद्या सागर महाराज जी के परम आज्ञाकारी शिष्य श्री 108 विमल सागर महाराज जी के सानिध्य में पाठशाला के 48 बालको का उपनयन संस्कार किया गया। इसमें पाठशाला की बहिनों द्वारा बालको की हल्दी और मेंहदी का कार्यक्रम किया गया और पाठशाला की बहिनों ने मंदिर की डिब्बी मे द्रव्य रखकर सभी बालको का सम्मान किया।

-संचालिका विनिता चौधरी खिमलासा

ब्यावर लघु उद्योग संघ द्वारा वृहद् वृक्षारोपण शुभारंभ

ब्यावर लघु उद्योग संघ के पौधारोपण कार्यक्रम में जिला प्रशासन की उपस्थिति

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। लघु उद्योग संघ, ब्यावर द्वारा 'हरित राजस्थान' कार्यक्रम का शुभारंभ ब्यावर लघु उद्योग संघ कार्यालय, अजमेर रोड, ब्यावर से किया गया। वृक्षारोपण शुभारंभ कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिलाधीश ब्यावर उत्सव कौशल, पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह चौधरी, नगर परिषद सभापति नरेश कनोजिया, भंवरलाल बुला, जयकिशन बल्दुआ, नगर परिषद आयुक्त श्रवणराम चौधरी, वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबन्धक रीको शिव कुमार दिक्षीत, खनि अभियन्ता जगदीश महेरावत, अधीक्षण अभियन्ता अश्श्ठछ श्री एम० के० सिंहल, जिला श्रम अधिकारी मुकेश वर्मा, सहायक खनि अभियन्ता रामस्वरूप गहलोत, खनि फोरमेन लोकेन्द्र सुमन, अधिशाषी अभियन्ता नगर परिषद सुनील यादव, कनिष्ठ अभियन्ता नगर परिषद कपिल गौरा सहित अनेक अधिकारियो ने शिरकत की। सभी अतिथियो का माल्यापर्ण कर बुके प्रदान कर स्वागत किया गया तथा सभी अतिथियो को स्मृति चिन्ह के रूप में पौधो के गमले भेंट किये गये। स्वागत पश्चात सभी अतिथियो द्वारा पौधारोपण किया गया एवं जिलाधीश उत्सव कौशल ने पौधारोपण के लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण करते हुए इनकी सुरक्षा और पालन की जिम्मेदारी देते हुए ज्यादा से ज्यादा पौधे पनपे ऐसी व्यवस्था ब्यावर लघु उद्योग संघ द्वारा करने हेतु निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह चौधरी ने पौधारोपण कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रतिवर्ष ऐसी योजना बनाने हेतु निर्देशित किया। नगर परिषद सभापति ने सफल आयोजन की बधाई देते हुए पौधो के रख-रखाव हेतु संभव सहयोग करने हेतु आश्वस्त किया। संघ अध्यक्ष आशीषपाल पदावत ने बताया कि ब्यावर लघु उद्योग संघ द्वारा दस हजार पौधे लगाने का लक्ष्य लिया गया है जिसके अन्तर्गत आज ही शुभारंभ के साथ ही पांच हजार पौधे प्रथम चरण में लगाये जायेंगे जो कि संघ कार्यालय के सामने, अजमेर रोड डिवाईडर पर, इण्डस्ट्रीयल एरिया में सडक के दोनो तरफ एवं प्रत्येक उद्योग परिसर में दस-दस पौधे लगाये जायेंगे और निर्धारित लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण किया जायेगा। पौधारोपण शुभारंभ कार्यक्रम में महासचिव दिनेश भूतडा, सचिव बसन्त कुमार जांगिड, पवन रायपुरिया, उपाध्यक्ष विजय हेडा, सुनील डांगी, दिनेश गुप्ता, विजय झंवर, कोषाध्यक्ष अजय मूंदडा, सहकोषाध्यक्ष ललित शर्मा, प्रवक्ता कपिल कोठारी, मोहनलाल शर्मा, प्रकाश गादिया सुरेश खींचा, मोहनलाल गर्ग, राजेन्द्र शर्मा, प्रकाश अम्बुरे, दीपक झंवर, रमेशचन्द भराडिया, कपूर गादिया, चम्पालाल मेहरा, प्रिंस ओस्तवाल, संदीप जैन, चन्द्रप्रकाश मूंदडा, ओमप्रकाश मूंदडा, गौरव मेहता, सचिन नाहर, विजय मेहता, अजय हेडा, विनोद मित्तल, विकास गर्ग, आलोक गुप्ता, अरविन्द मूथा, अतुल नवाल, राजकुमार गोयल, जसराज शर्मा, पूरण दगदी, हरीश सांखला, चम्पालाल भाटी, जय आनन्दानी, बच्चू खत्री, मनीष जिन्दल, त्रिलोक अग्रवाल, सुरेन्द्र तौरानी, अमित गोधा,संजय जैन, निहालचन्द कोठारी, निखिल माहेश्वरी, आशुतोष माहेश्वरी, इकबाल भाई, महबूब भाई, क्षितिज लोढा, पुष्कर नारायण शर्मा, नरेश मित्तल, पंकज टांक, राहुल अग्रवाल, पंकज बंट, रसीद अली, घनश्याम चौहान, योगेश शर्मा, विक्रांत यादव, बसन्त शर्मा, संदीप जैन, जे० पी० शर्मा, तरूण जैन, दिनेश जैन, विनोद गर्ग, इन्द्रपाल सिंह, हरीश जैन, विकास गर्ग, मितेश मूंदडा, विपिन जोशी, नागराज राठौड, कमल कोठारी, रवि झंवर, सुनील झंवर, विष्णु प्रकश लद्ढा, आयुश नाबेडा सहित सैकडो उद्योगपतियो द्वारा वृक्षारोपण करते हुये कार्यक्रम में भाग लिया।

पुस्तक समीक्षा

पुस्तक - अनुपमा (सब की सहेली)
तृतीय अंक - मानसून विशेषांक
विषय - बारिश
समीक्षक - सुशी सक्सेना

अनुपमा एक ऐसी पत्रिका है जिसमें नये पुराने छोटे बड़े सभी तरह के कलाकारों को अपनी लेखनी चलाने का अवसर प्रदान किया जाता है और उन्हें सम्मान पत्र से सम्मानित किया जाता है। अनुपमा पत्रिका का तृतीय अंक जो कि मानसून विशेषांक विषय बारिश पर आधारित था। उसका सफल प्रकाशन किया गया। उसमें बहुत से देश विदेश के रचनाकारों ने अपनी रचनाएं प्रकाशित करवाई। और जैसा की तृतीय अंक के विषय मानसून विशेषांक का उद्देश्य था उसी के अनुरूप अपने सृजन के माध्यम से बारिश के मौसम में स्वास्थ्य, सौंदर्य और फैशन एवं योगा से संबंधित सलाह दी गई हैं। और अनुपमा के इस अंक में बरसात में संगीत का आनंद, और दिल को छू लेने वाली कहानी आलेख लघूकथा संस्मरण कविताएं आदि प्रकाशित हैं। विभिन्न लेखकों द्वारा लिखित रचनाओं यह संग्रह, जो बारिश ऋतु के सौंदर्य और भावनाओं को दशार्ता है। अनुपमा के इस अंक में लेखकों ने बारिश की बूंदों, धरती की खुशबू, हरे-भरे पेड़ों और खिलते हुए फूलों का मनोरम चित्रण किया है। लेखकों ने अपनी बचपन की यादों को साझा किया है, कुछ लेखकों ने मानसून के कारण होने वाली बाढ़ और सूखे जैसी सामाजिक समस्याओं पर भी प्रकाश डाला है। कुछ रचनाएं प्रेम और रोमांस के भावों को व्यक्त करती हैं, जो बारिश के मौसम में अक्सर तीव्र हो जाते हैं। विभिन्न लेखकों का रोचक दृष्टिकोण और लेखन शैलियों का संग्रह इसे पढ़ने में दिलचस्प बनाता है। भाषा सरल और सहज है, जिससे इसे सभी उम्र के पाठक आसानी से समझ और पसंद कर सकते हैं। कुल मिलाकर अनुपमा सब की सहेली पत्रिका का मानसून विशेषांक बारिश ऋतु के प्रति प्रेम और प्रशंसा व्यक्त करने वाला एक सुंदर संग्रह है। यह उन लोगों के लिए एक मनोरंजक पुस्तक है जो बारिश के मौसम का आनंद विभिन्न लेखकों की रचनात्मकता को अनुभव करके लेना चाहते हैं। इसके लिए सभी से अनुरोध है कि एक बार अनुपमा पत्रिका के इस अंक को अवश्य पढ़ें। इसकी शुरूआत करने वाली साहित्य के क्षेत्र की एक नवोदित लेखिका सुशी सक्सेना है। और इसके सहयोगी सलाहकार अनुपमा, डौली झा, प्रशान्त श्रीवास्तव और कनिका शर्मा जी हैं। जिनका सफलता के इस मुकाम तक पहुंचाने में इनका अमूल्य सहयोग शामिल है। जिन्होंने इसे बेहद लोकप्रिय बनाने का संकल्प लिया है। पत्रिका के तृतीय अंक में सभी वर्ग के लोगों के लिए सभी तरह की आवश्यक जानकारी साहित्य के रूप में मिलेगी। साथ ही इसमें कहानी, गीत, कविता, कथा, लघुकथा, आत्मकथा, आलेख, संस्मरण, गृहसज्जा, फैशन, खान पान, रिश्ते, ब्यूटी टिप्स, हेल्थकेयर, बुक समीक्षा, यात्रा, करियर, पैरेन्टिंग, परवाह आदि सभी तरह की रचनाएं पढ़ने को मिलेंगी। इसे यूनिक फील पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित किया गया है।

महावीर इंटरनेशनल डडूका का तीर्थदर्शन, वन भ्रमण एवं उज्जयिनी कार्यक्रम सम्पन्न

डडूका. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल डडूका का वार्षिक वन भ्रमण, तीर्थ दर्शन एवं उज्जयिनी जीमन कार्यक्रम 28 जुलाई रविवार को प्रातः जैन तीर्थ नागफणी पारसनाथ जी से प्रारंभ हुआ। एम आई गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया कि केंद्र अध्यक्ष सुंदरलाल पटेल के नेतृत्व में 12सदस्यीय दल प्रातः 5बजे प्रस्थान कर नागफणी पारसनाथ जी जहा पूजन अर्चना के बाद केसरियाजी यात्रा की गई । मांडविया हनुमानजी, कराड़ा हनुमानजी, देव सोमनाथ जी दर्शन के बाद अपरान्ह 4 बजे उज्जयिनी जीमन कर इंद्र देव से अच्छी वर्षा हेतु प्रार्थना की गई। इस अवसर पर एपेक्स से प्राप्त बेबी कीट वितरण कार्य योजना तय कर स्वर्ण जयंती वर्ष में कपड़े की थैली मेरी सहेली प्रोजेक्ट लांच कर वृक्षारोपण कार्यक्रम हेतु स्थान एवन तिथि निर्धारित गई। केंद्र की बैठक कनबा मे जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन के मुख्य आतिथ्य, गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया के संयोजन, सुंदरलाल पटेल की अध्यक्षता, विष्णु प्रसाद रावल, मणिलाल सूत्रधार, जीवन राम पाटीदार,पुष्पा देवी जैन तथा राजेंद्र महवाइ के विशिष्ठ आतिथ्य मे हुआ। बैठक में केसरीमल भरड़ा को डडूका केंद्र की सदस्यता प्रदान कर बेज लगाया गया। बैठक को विनोद रावल, जनार्दन राय नागर, विजयपाल गहलोत, अजीत कोठिया, सुंदरलाल पटेल, विष्णु प्रसाद रावल, मणिलाल सूत्रधार, राजेन्द्र महवाई, अशोक माली, जगदीश जोशी, केसरीमल भरड़ा तथा जीवन राम पाटीदार ने संबोधित किया। सभी ने ऋषभदेव मे चातुर्मास रत मुनि पुलक सागर गुरुदेव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी ने डडूका मे 17अगस्त 2024को कपड़ेकी थैली मेरी सहेली प्रोजेक्ट के प्रचार प्रसार के लिए जन जागरण हेतु सभी स्कूली छात्र छात्राओं की रैली निकालने का निर्णय लिया। सदस्यों ने अतिशय क्षेत्र खुणादरी, केसरियाजी एवं नागफणी पारसनाथ के दर्शन वहा के धार्मिक ऐतिहासिक महत्व की जानकारी ली। संचालन अजीत कोठिया ने किया, आभार सुंदरलाल पटेल ने व्यक्त किया।

वाणी एवं अनंत बने शतरंज चैंपियन

जयपुर. शाबाश इंडिया। कावेरी पथ मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में आज पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा ओपन चेस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। इंटरनेशनल ऑर्बिटर भगवती प्रसाद शर्मा ने बताया कि इसमें 56 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें महिला वर्ग में वाणी जैन प्रथम, जिया कंवर द्वितीय व पुरुष वर्ग में अनंत जैन प्रथम, आशुतोष सोनी द्वितीय, प्रिंस चौधरी तृतीय स्थान प्राप्त किया। टूर्नामेंट डायरेक्टर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि इस टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि सुनील जैन गंगवाल व स्कूल प्रिंसिपल अनू चौधरी ने दीप प्रज्वलन कर, शतरंज की बिछात पर पहला कदम चलकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में समाजसेवी के के गुप्ता, श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ के अध्यक्ष एम. पी. जैन, भागचंद जैन, संजीव गोठवाल, हनुमान प्रसाद, विमल कुमार ,गजेंद्र प्रसाद ,अरविंद चांवला , पी ई टी डाक्टर मोहनलाल चौधरी व अन्य अध्यापक गण के साथ बहुत सी संख्या में अभिभावक गण भी उपस्थित रहे।

प्राचीन तीर्थ, मंदिर मूर्तियां हमारी अनमोल धरोहर

प्राचीन क्षेत्रों की धरोहर के संरक्षण और संबर्द्धन के लिए आगे आएं : जम्बूप्रसाद जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष

ललितपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं उत्तर प्रदेश - उत्तरांचल तीर्थक्षेत्र कमेटी के पदाधिकारियों ने झांसी व ललितपुर जनपद के जैन तीर्थक्षेत्रों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक देवोदय अतिशय क्षेत्र देवगढ़ में आयोजित की जिसमें तीर्थों के संरक्षण व संवर्धन पर मंथन किया गया। आयोजन का शुभारंभ चित्र अनावरण तथा दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। मंगलाचरण मनोज शास्त्री ने किया। इस मौके पर आयोजन में मुख्यातिथि अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रेष्ठी जम्बूप्रसाद जैन गाजियाबाद ने कहा कि भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी शताधिक वर्ष पुरानी प्रमुख संस्था है। जो तीर्थों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। तीर्थक्षेत्र, मंदिर हमारी संस्कृति, आस्था के प्रतीक हैं। बुंदेलखंड में हमारी विरासत बिखरी पड़ी है। इन प्राचीन क्षेत्रों की धरोहर के संरक्षण और संबर्द्धन के लिए सभी को आगे आना चाहिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश - उत्तरांचल के अध्यक्ष जवाहरलाल जैन ने कहा कि ललितपुर झांसी में अनेक प्राचीन ऐतिहासिक विरासत समेटे अतिशय व सिद्ध क्षेत्र हैं। ये हमारी विरासत की अमूल्य धरोहर और हमारी पहचान हैं। देवगढ़ विश्व प्रसिद्ध अमूल्य विरासत है। उन्होंने गतिमान योजनाओं की जानकारी दी। प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र नवागढ़ के निर्देशक ब्र. जय कुमार निशान्त ने कहा कि जनपद में जगह-जगह प्राचीन तीर्थक्षेत्र हैं, ये हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान हैं। सांध्य महालक्ष्मी के संपादक शरद जैन दिल्ली ने कहा कि प्राचीन धरोहरों को सुरक्षित, स्वच्छ रखना प्रत्येक व्यक्ति का कर्त्तव्य है। अपनी अमूल्य धरोहर के संरक्षण के लिए हमेशा जागरूक रहना चाहिए। हमारे संतों को तीर्थों पर चातुर्मास करना चाहिए ताकि उनका संरक्षण और विकास हो सके। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश - उत्तरांचल के उपाध्यक्ष अनिल जैन अंचल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत कर सभी का स्वागत किया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश - उत्तरांचल के मंत्री डॉ सुनील संचय ने आयोजन की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि ये तीर्थ, मंदिर, मूर्तियां हमारे अतीत के गौरव हैं। इनसे ही हमारी पहचान है। तीर्थों के संरक्षण के लिए तीर्थ संरक्षण गुल्लक योजना और तीर्थ संरक्षण कलश स्थापना चालू करने करने का आह्वान किया। तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश - उत्तरांचल कमेटी की प्रचारमंत्री श्रीमती मीनू जैन गाजियाबाद ने तीर्थक्षेत्र कमेटी द्वारा बनाई जा रही विभिन्न तीर्थों की डॉक्यूमेंट्री फिल्म की जानकारी देते हुए बताया कि ललितपुर जनपद में अभी अतिशय क्षेत्र बानपुर की डॉक्यूमेंट्री बनकर तैयार हो गयी है। कमल जैन महामंत्री दिगम्बर जैन पंचायत समिति झांसी ने अनेक सुझाव और विचार रखे। संचालन उत्तर प्रदेश उत्तराखंड तीर्थक्षेत्र कमेटी के महामंत्री मनोज जैन मेरठ तथा आभार देवोदय तीर्थक्षेत्र देवगढ़ के महामहिम/ महामंत्री संजीव जैन सीए ने किया। इस मौके पर देवोदय अतिशय क्षेत्र के उपाध्यक्ष भूपेन्द्र जैन चाचा जी, अरविंद जैन सह मंत्री, कमल जैन महामंत्री दिगम्बर जैन पंचायत समिति झांसी, चौधरी जितेंद्र जैन झांसी, भागचंद जैन मंत्री अतिशय क्षेत्र करगुवा झांसी, राजेन्द्र जैन थनवारा अध्यक्ष अतिशय क्षेत्र अतिशय बालाबेहट, ब्र. जयकुमार निशान्त निदेशक,प्रागैतिहासिक क्षेत्र नवागढ़, महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा, वर्द्धमान सौरया अध्यक्ष अतिशय क्षेत्र मदनपुर आदि झांसी ललितपुर के तीर्थक्षेत्रों के पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

डॉ अनुपम जैन लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। प्रसिद्ध जैन गणितज्ञ एवं जैन विद्याओं के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जैन विद्या मनीषी डॉ अनुपम जैन को जैन विद्वत अकादमी अहमदाबाद द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया इसके अंतर्गत उन्हें प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह आदि प्रदान किए गए। प्रशस्ति पत्र का वाचन प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद डॉक्टर

नारायण लाल कछारा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देश -विदेश के अनेकों विद्वान उपस्थित थे ,जिसकी अध्यक्षता नेशनल मून मिशन के वैज्ञानिक एवं जैन एकेडमी ऑफ स्कॉलर्स के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र भंडारी ने की। डॉ अनुपम जैन को यह अवार्ड प्राचीन जैन गणित के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने तथा जैनाचार्यों के द्वारा लौकिक एवं अलौकिक गणित के क्षेत्र में दिए गए योगदान को प्रकाश में लाने हेतु एवं उनके द्वारा पत्रकारिता तथा पांडुलिपि संरक्षण के क्षेत्र में किए गए श्रेष्ठ कार्यों और उनके द्वारा लिखी गई दो दर्जन से अधिक पुस्तकों एवं शताधिक शोधालेखों के रूप में प्रदत्त साहित्यिक योगदान हेतु समर्पित किया गया है। ज्ञातव्य है कि डॉ अनुपम जैन इंडियन रिसर्च कम्युनिकेशन एवं अर्हत वचन शोध पत्रिका के संपादक हैं। आपने मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र महाराष्ट्र आदि प्रान्तों की लगभग 2 लाख पांडुलिपियों का सूचीकरण एवं संरक्षण किया है। आप वर्तमान में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के डाटा विज्ञान एवं पूर्वानुमान अध्ययनशाला में आचार्य गणित के रूप में पदस्थ हैं तथा प्राचीन भारतीय गणित शोध केंद्र के निर्देश एवं भारत सरकार द्वारा स्थापित क्कर सेंटर इन जैन मैथमेटिक्स मैं प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर हैं। प्रोफेसर जैन की इस उपलब्धि पर विश्व विद्यालयों के आचार्यों एवं दिगंबर जैन समाज के अनेकों समाज सेवियों ने बधाई दी।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में 31 जुलाई से पहले करवाएं पंजीकरण : डॉ. नवनीत शर्मा

ई-मित्र पर निशुल्क करवाएं पंजीकरण, एक अगस्त से मिल सकेगा लाभ

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

हनुमानगढ़। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का अगस्त माह से लाभ लेने के लिए पंजीयन करवाने के लिए अब अंतिम एक सप्ताह शेष है। इस माह 31 जुलाई तक पंजीकरण नहीं करवाने वाले परिवारों को योजना का लाभ लेने के लिए तीन माह का इंतजार करना पड़ेगा। योजना में जिले के सभी वंचित परिवार स्वयं की एसएसओ आईडी या ई-मित्र के माध्यम से अपना पंजीकरण करवा सकते हैं, ताकि एक अगस्त 2024 से योजना का लाभ मिल सके। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया सरकार की मंशा है कि अधिकाधिक आमजन इस योजना में पंजीयन करवा कर आगामी दिनों में इलाज के भारी-भरकम खर्च और चिंताओं से मुक्त हो। पंजीयन करवाने के बाद उन्हें व परिवारजनों को 25 लाख रूपए तक का निशुल्क इलाज मिल सकेगा। साथ ही 10 लाख रूपए तक का दुर्घटना बीमा भी निशुल्क मिलेगा। डॉ. शर्मा ने बताया कि योजना में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना-2011, लघु एवं सीमांत किसान, संविदा कर्मियों तथा कोविड-19 अनुग्रह राशि प्राप्त करने वाले निराश्रित एवं असहाय परिवारों के लिए बीमा का प्रीमियम सरकार वहन कर रही है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर (EWS : Economically Weakers Sections) परिवारों (वार्षिक आय 8 लाख से कम) के लिए बीमा का प्रीमियम भी सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है। ऐसे सभी परिवारों का पंजीकरण स्वत ही हो रहा है। इसके अतिरिक्त, अन्य सभी परिवार मात्र 850 रुपए प्रीमियम जमा करवाकर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। ऐसे परिवारों को 31 जुलाई तक पंजीकरण करवा लेना चाहिए ताकि 1 अगस्त से लाभ मिल सके, क्योंकि इसके बाद नियमानुसार तीन माह बाद यानी 1 नवंबर से लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि कई बार परिवार का पंजीकरण नहीं होने और बीमारी या दुर्घटना होने की स्थिति से परिवार निशुल्क उपचार से वंचित हो जाते हैं और बड़ा आर्थिक नुकसान होता है, इसलिए जरूरी है कि पंजीकरण करवाया जाए।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का तीन दिवसीय तीर्थाटन सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का 25 सदस्यीय दल 3 दिवसीय धार्मिक भ्रमण से दिनांक 29 जुलाई, 2024 को जयपुर वापस लौटा। इंजी. दीपक कुमार जैन (अध्यक्ष) एवं इंजी. प्रदीप कुमार जैन (सचिव) के नेतृत्व में दल ने दिनांक 27 जुलाई, 2024 को भट्टारक जी की नसियां जयपुर से प्रातः 6:30 बजे रवाना होकर अचरोल, अष्टापद, सिद्धांतक्षेत्र, अतिशय क्षेत्र बडा गांव, त्रिलोक तीर्थ, मंगलायतन, मथुरा चौरासी, बोल खेडा एवं भुसावर जिनमंदिर के दर्शन एवम पूजा अर्चना की। प्रतिदिन भ्रमण का प्रारम्भ णमोकार मंत्र के जाप, भक्तामर स्तोत्र एवं दर्शन पाठ इत्यादि के वाचन के साथ किया गया। भ्रमण दल में चैप्टर के इंजी. राकेश बगड़ा (उपाध्यक्ष), इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन (संयुक्त सचिव, जेस फाउंडेशन), इंजी. बुद्धि प्रकाश जैन (संयुक्त सचिव), इंजी. माणिक जैन (कार्य. सदस्य), इंजी. मनोज दोसी (कार्य. सदस्य), इंजी. प्रमोद बोहरा (कार्य. सदस्य), इंजी. सुभाष कासलीवाल सहित अन्य सदस्य सम्मिलित रहे। मथुरा चौरासी में कार्यक्रम के दौरान जैन मंदिर कार्य समिति के सदस्यों द्वारा दल के सभी सदस्यों का तिलक, माला और दुपट्टा पहना कर अभिनंदन किया गया।

गौ माता के पालन पोषण में अपनी भूमिका निभाएं: नवीन भंडारी

क्या आप जानते हैं कि हमारे देश में कई लोगों के पास खेती की जमीन बेकार पड़ी है? क्या आप जानते हैं कि इस जमीन का उपयोग हम गौ माता के पालन पोषण के लिए कर सकते हैं? हम आपसे अपील करते हैं कि अगर आपके पास खेती की जमीन है और वह बेकार पड़ी है, तो कृपया अपनी इच्छा अनुसार कुछ भाग में नेपियर घास लगाएं। इससे हम गौ माता के पालन पोषण में देश को समर्थ बनाने की दिशा में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। गौ माता हमारी माता हैं और हमें उनकी सेवा करनी चाहिए। आइए हम मिलकर इस अभियान में भाग लें और गौ माता के पालन पोषण में अपनी भूमिका निभाएं। कृपया अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों को भी इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। साथ मिलकर, हम एक सुंदर और समृद्धिशाली देश बना सकते हैं।

नवीन कुमार भंडारी
श्रीराम आशापूरन चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर
मोबाइल न.9314329555

बातों से ज्यादा चुभता है, आपके बात करने का बर्ताव..

जैसे - गमले में लगे पौधे की क्या खूब मजबूरी है,

हरा भी रहना है और बढ़ना भी नहीं है..! अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज कुलचाराम हैदराबाद

अपने भीतर की खूबियों को, जुनून और जोश को, दूसरों की बातों को सुनकर मन को कमजोर ना होने दें। अन्यथा आज का इन्सान ना जीने देगा - ना मरने। आप ने बचपन से आज तक यही सुना है कि हर एक सिक्के के दो पहलू होते हैं। लेकिन कुछ लोगों के कई पहलू होते हैं। जितना हम अपने भीतर के जोश, जूनून और योग्यता से अनभिज्ञ रहेंगे, उतना ही दूसरों की कही गई बातों से प्रभावित होते रहेंगे। हम प्रयास करें कि व्यर्थ की

अनर्गल बातों से अनभिज्ञ रहें और कुछ कहा गया हो तो उसे अनसुना कर, देखकर अंजान बन जायें। क्योंकि परमात्मा ने आप हम सबको बचपन से गजब की खूबियां दी है। कुछ लोगों को माता पिता से, कुछ लोगों को गुरू से और कुछ लोगों को, पढ़ने-पढ़ाने वाले, लिखने-लिखाने वाले, उनके साथ जीवन जीने वालों से,, जो हमारी चेतना को निखार देते हैं और उसके बाद मनुष्य खुद अपनी खूबियों को निखारता है। इसलिए हम दूसरों की प्रतिक्रियाओं से जल्दी प्रभावित ना हो, ना अपनी क्षमताओं को कमजोर होने दें। धैर्यपूर्वक सुनें, देखें और नजरअंदाज कर दें। यदि प्रतिक्रियाओं में रचनात्मक अनुसंधान और सुधार की आवश्यकता है, तो जरूर सुधार की गुंजाइश रखें। क्योंकि नकारात्मक प्रतिक्रिया ईर्ष्या, द्वेष और भीतर के अज्ञान से जुड़ी होती है, जो व्यक्ति के स्वाभिमान को ठेंस पहुंचाने, नीचा दिखाने या आत्म विश्वास को डिगाने के उद्देश्य से की जाती है। हम प्रतिक्रियाओं के पीछे छिपे उद्देश्य को देखें, समझें, जानें। प्रतिक्रिया मनुष्य के जीवन और व्यवहार का एक अभिन्न अंग है। इससे मनुष्य को अपने जीवन में सही गलत को परखने की सीख मिलती है। इतिहास साक्षी है कि महान से महान व्यक्तियों के कार्यों की प्रतिक्रिया हुई है। प्रतिक्रियाओं से प्रतिभा सुधरती है और चेतना निखरती है। बुद्धिमान व्यक्ति वही है जो नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को अनसुना कर, रचनात्मक प्रतिक्रियाओं से अपनी प्रगति का पथ प्रशस्त करता है...!!! **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

अंतर्राष्ट्रीय भविष्य वक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने जन्मदिन गौरी गोपाल आश्रम वृंदावन में मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय भविष्य वक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने जन्मदिन गौरी गोपाल आश्रम वृंदावन में श्री अनिरुद्ध महाराज के सानिध्य में मनाया।आचार्य ने बताया कि वृंदावन में स्थित गौरी गोपाल गौशाला में गायों की सेवा की हरा चारा ओर गुड खिलाया।श्री अनिरुद्ध महाराज निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों की सेवा और गुरुकुल में बच्चों की पढ़ाई का सारा खर्चा, खान पीन की व्यवस्था कर रहे हैं यह बहुत सराहनीय है महाराज श्री को दुपट्टा पहनाकर मेरे द्वारा रचित पुस्तक रविंद्र हस्तरेखा विज्ञान भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पंडित रवि शर्मा, ऋषि पाराशर, जुगल अग्रवाल, मुकेश बंसल, सुमित शर्मा, आलोक शर्मा, अमित आचार्य गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

न्याय करते समय अपने पराये में भेद नहीं करें: मुनि प्रणम्य सागर महाराज

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन। पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु। मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर मंगलवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की कथा सुनाई गई। कथा के दौरान सजीव पात्रों ने मनमोहक अभिनय कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इस मौके पर मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि न्याय करते समय अपने पराये का भेद नहीं होना चाहिए। अगर अपने पराये में भेद किया जाता है तो उसे न्याय नहीं कहेंगे। इस मौके पर मुनि श्री द्वारा श्रद्धालुओं को अर्हम ध्यान योग के अन्तर्गत अरिहंत परमेष्ठी का ध्यान करवाया गया। इससे पूर्व मनीष - रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर प्रमोद सुनील पहाड़िया परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं उन्हें शास्त्र भेट कर पुण्यार्जन किया गया। इस मौके पर प्राचार्य शीतल चन्द जैन, आठ प्रतिमाधारी डी सी जैन, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के उपाध्यक्ष उत्तम चन्द पाटनी,संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन,संयुक्त मंत्री मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार 30 जुलाई को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

150 से अधिक व्यक्तियो के उपयोग में आएगी वस्त्र की सेवा, सामाजिक सरोकार के अंतर्गत दी गई सेवा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर । लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,लायन अतुल पाटनी,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी,लायन पदम चंद जैन एवम अन्य भामाशाहों के सहयोग से वर्धमान सेवा समिति एवम सक्षम पॉजिटिव वूमन नेटवर्क बोहरा मेंसन बापुनगर में अपने रोग का निशुल्क इलाज कराने के लिए आने वाले व्यक्तियो एवम उनके परिवार के 150 बच्चो के लिए गणवेश में टी शर्ट,शर्ट,पेंट सलवार सूट, टी शर्ट,बच्चो के लिए बाबा सूट एवम पाठ्य सामग्री में उत्तर पुस्तिकाएं, रबड़,पेंसिल,पेन आदि भेंट किए क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदम चंद जैन के संयोजन में क्लब की सेवा भेंट की जिसे अपने अपने रोगों का इलाज कराने के लिए आने वाले व्यक्तियो को आवश्कता के अनुसार भेंट की जाएगी। कार्यक्रम संयोजक लायन पदम चंद जैन ने बताया कि इस केंद्र पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज अपने रोगों का इलाज कराने के लिए आते है इनमे से बहुत से जरूरतमंद व्यक्ति के लिए वहा बनी नेकी की दीवार पर लकड़ी की बनी नई रेक्स पर वस्त्र रखाए है जिनको आवश्यकता अनुरूप सेवा के अंतर्गत सेवाएं प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर लायन अतुल पाटनी,लायन पदम चंद जैन कोमल रानी,रमेश शर्मा, उत्तम चंद लुनावत,पारस बिनायक्या,निहाल पारख सहित अन्य व्यक्ति मोजूद रहे।

जिला स्तरीय प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। निकटवर्ती ग्राम नांदला स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में सोमवार को जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अजमेर जिले के शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, सीबीएसई मान्यता प्राप्त विद्यालय एवं नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रेरणा उत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों को निबंध लेखन, कविता लेखन एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के आधार पर 15 छात्र एवं 15 छात्राओं का चयन साक्षात्कार के लिए किया गया। विद्यार्थियों को उक्त प्रतियोगिताओं हेतु शीर्षक प्रेरणा उत्सव में भाग लेने हेतु मेरा चुनाव क्यों हो? भारत के प्रति मेरा दृष्टिकोण और विकसित भारत के अंतर्गत भाग लिया। कार्यक्रम के आरंभ में सभी छात्र-छात्राओं का प्रेरणा उत्सव पोर्टल पर पंजीकरण किया गया। विद्यालय शिक्षक योगेंद्र सिंह चौधरी एवं मनोहर सिंह सिंघल ने छात्र-छात्राओं को प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम के लिए निर्देश दिए। प्राचार्य गिरिराज रेवाड ने बताया कि देशभर में प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम के आयोजन हेतु नवोदय विद्यालयों को नोडल केंद्र बनाया गया है। उन्होंने बताया कि जिलेभर में से 20 छात्र-छात्राओं, 10 अभिभावकों व मार्ग रक्षी शिक्षकों का वडनगर गुजरात में होने वाले कार्यक्रम के लिए चयन किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता के प्रारंभ में प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम से संबंधित जानकारी के लिए एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।

जीव दया, अहिंसा का पालन करना ही चातुर्मास है: शिवानंद महाराज

बड़ा जैन मंदिर मुरैना में हुआ चातुर्मास कलश स्थापना समारोह

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। बरसात के चार माह में असंख्यात जीवों की उत्पत्ति होती है । चूंकि जैन साधु साध्वी सदैव पद विहार करते हैं । पद विहार करते समय किसी जीव की हिंसा न हो, इसी लिए वर्षाकाल के चार माह जैन संत किसी एक स्थान पर रुककर आत्म साधना करते हैं, बस यही चातुर्मास कहलाता है । चार माह साधु मुनिराज स्वयं तो आत्म साधना करते ही हैं, साथ ही अन्य लोगों को भी आत्म साधना करने के लिए प्रेरित करते हैं । वर्षायोग के मध्य विभिन्न धार्मिक आयोजन होगें, जिनके माध्यम से आम बंधुओं को धर्म दे जोड़ने के साथ साथ संयम के साथ जीवन जीने की कला सिखाई जाती है । चार माह में साधु संत अपनी लेखनी से नवीन पुस्तकों को लिखते हैं साथ ही अपनी वाणी से लोगों को संयम के पथ पर चलने की प्रेरणा देते हैं, यही चातुर्मास होता हैं । उक्त उद्गार जैन संत मुनिश्री शिवानंद जी महाराज ने नगर में चातुर्मास कलश स्थापना के अवसर पर उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य युगल मुनिराज श्री शिवानंद जी महाराज एवम मुनिश्री प्रशमानंद जी महाराज के पावन मंगलमय वर्षायोग हेतु गुप्ता वैकंट हॉल में मंगल कलश स्थापना का भव्य समारोहबका आयोजन किया गया। समारोह में मुरैना सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, विधायक दिनेश गुर्जर, अंबाह नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजली जिनेश जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष योगेशपाल गुप्ता सहित अनेकों प्रमुख हस्तियां सम्मिलित हुई । सभी ने पूज्य मुनिराजो से शुभ आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगल कलश स्थापना समारोह में आचार्य शांतिसागर कलश की स्थापना सुनील जैन मोना जनरेटर, इंजीनियर भूपेंद्र जैन ग्रीनपार्क, जिनेश जैन अंबाह, धन्नालाल जैन निर्माण विहार एवम आचार्य विद्यानंद कलश की स्थापना राकेश कुमार, सुनील, मुकेश जैन पलपुरा परिवार एवम आचार्य वसुनंदी कलश की स्थापना भागचंद, राजेंद्र, विनोद जैन तार भंडारी परिवार द्वारा की गई। शेष कलश प्रेमचंद पंकज जैन बंदना साड़ी, मीना जैन शकरपुर, प्रवीण सिद्धार्थ जैन दिल्ली, बच्चूलाल गुप्ता अम्बाह, रमाशंकर शुभम जैन नायक गढ़ी, विजय गुप्ता अंबाह, भूपेश रजनी जैन, निकेता जैन फरीदाबाद द्वारा की गई । समारोह के प्रारंभ में बाहर से पधारे हुए अथितियो द्वारा आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के चित्र का अनावरण किया गया । जैसवाल जैन धर्मशाला कमेटी महावीर जी द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन की धार्मिक यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन, जयपुर के 31 सदस्यों का दल दो दिवसीय जिन दर्शन यात्रा एवं भ्रमण कर जयपुर लोटे । यह दल वातानुकूलित बस द्वारा अतिशय क्षेत्र बोलखेडा की वन्दना के लिए जयपुर की भट्टारक जी की नसियां से प्रस्थान पीपीकिया था। ग्रुप के मंत्री हीरा चन्द बैद ने बताया कि यह दल अतिशय क्षेत्र भुसावर के दर्शन करके 108 मुनि श्री युधिष्ठिर सागर जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ग्रुप के अध्यक्ष धनु कुमार जैन के अनुसार भुसावर से भरतपुर जिले में ही स्थित जम्बू स्वामी की तपस्थली बोलखेडा पंहूच कर सायंकालीन आरती के पश्चात भक्ति का आयोजन किया गया। भक्ति संध्या में संगीत गुरु डा. अजित कुमार जैन, श्रीमती शांता जैन, संगीतकार राजकुमार संघी, हीरा चन्द बैद व प्रदीप कुमार जैन एल पी जी वालों ने अपनी - अपनी रचनाओं की प्रस्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय बना दिया। हीरा चन्द बैद के भजन ''आया हूं मैं दूर से गुण सुन श्री भगवान'' पर तो सभी श्रोताओं ने तालियों के माध्यम से भजन की सराहना की। ग्रुप के अध्यक्ष धनु कुमार जैन ने बताया कि रात्रि में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सभी सदस्यों ने अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिसमें विनोद तोतूका, डा. णमोकार जैन के कार्यक्रम सराहनीय रहें। ग्रुप के सदस्यों ने अगले दिन भगवान मुनिसुब्रतनाथ स्वामी के अभिषेक व शांति धारा कर विश्व में अमन व भाई चारे की कामना की। ग्रुप के कोषाध्यक्ष व विभिन्न कार्यक्रमों के संयोजक प्रदीप कुमार जैन (एल पी जी) वाले ने बताया कि अगले दिन प्रातः जम्बूस्वामी की तपस्थली बोलखेडा से प्रस्थान कर डीग के कामा गेट स्थित 1008 श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर (प्रसिद्ध कांच के मन्दिर) के दर्शनों के बाद डीग के विश्वप्रसिद्ध महल व पर्यटक स्थलों का भ्रमण करते हुए भरतपुर के वासना दरवाजा स्थित नसियां जी के नाम से प्रसिद्ध श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर पंहूचने पर मन्दिर के अध्यक्ष - पारस कुमार जैन, महामंत्री सुधीर कुमार जैन, पवन कुमार, निर्मल कुमार, पुष्पेन्द्र जैन बड़जात्या व अनिल कुमार बड़जात्या कठुमर वालों ने सभी यात्रियों को दुपट्टा पहनाकर कर स्वागत किया गया। भरतपुर से प्रस्थान कर झाझीरामपुरा पंहूच भगवान आदिनाथ के दर्शन स्तुति के पश्चात काला बाबा के नाम से सुप्रसिद्ध दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पद्मप्रभुस्वामी पंहूच कर सायंकालीन भोजन के पश्चात कसोटी पत्थर की प्राचीन व भव्य पद्मप्रभुस्वामी स्वामी के दर्शन व आरती के उपरांत जयपुर पहुंचे। यात्रा में दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय के मंत्री महेश चांदवाड, इंज.सुदर्शन पाटनी, राजेश सौगानी, सुनील जैन, वीर कुमार जैन, बाबू लाल जैन, विजय पाटोदी, श्रीमती आशा कासलीवाल, श्रीमती रूपा जी, श्रीमती चंचला बोहरा आदि विशिष्ट सदस्य थे ।

स्वर्ण जयंती वर्ष पर महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र द्वारा निरंतर सेवा कार्यक्रम आयोजित

उदयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र द्वारा स्वर्ण जयंती वर्ष पर 50 बेबी किट का वितरण, गौशाला में 200 गायों को रजका एवं उदयापोल अन्नपूर्णा रसोई पर 200 जरूरतमंद लोगों को मीठा भोजन सहयोग के साथ जुलाई महा में 50 सेवाकार्यो की और अग्रसर। जीव दया प्रकल्प कार्यक्रम प्रातः 11 बजे महाकालेश्वर मंदिर गौशाला में 200 गायों को सावन के दूसरे सोमवार पर हरा चारा सचिव रविंद्र सुराणा एवं शीलू सुराणा के सौजन्य से गायों को रजका एवम हरा चारा डलवाया गया। इसी क्रम में दोपहर में अंबामाता प्राथमिक केंद्र पर नवजात शिशु के लिए एपेक्स से प्राप्त 50 बेबी किट का वितरण किया गया एवं उदयापोल स्तिथ अन्नपूर्णा रसोई पर 200 जरूरतमंद लोगों को मीठा भोजन भामाशाह दौलत सिंह भंसाली की ओर से कराया गया। इस अवसर पर केंद्र के अध्यक्ष सुनील गांग ने आभार जताया एक सचिन रविंद्र सुराणा, दौलत सिंह भंसाली, कृष्णा भंडारी शीलू सुराणा की उपस्थिति रही। **सुनील गांग, अध्यक्ष**

साधना के बिना संयम सफल नहीं होता : युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज

एएमकेएम में आनंद ऋषि व सौभाग्यमल म.सा. का हुआ गुणगान

चेन्नेई. शाबाश इंडिया। साधना के बिना संयम सफल नहीं होता। संयम वही सुदृढ़ हो सकता है जिसमें स्वाध्याय का आलंबन हो। सोमवार कोए.एम.के एम.जैन मेमोरियल सेंटर मे आयोजित विशाल धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज ने 'सौभाग्य से आनंद मिले' शीर्षक पर प्रवचन देते हुए कहा कि युद्ध की प्रेरणा, युद्ध का संकेत, निर्देश पर आचारांग सूत्र में शास्त्रकारों ने बताया कि यह अवसर है, युद्ध करो। लेकिन यह युद्ध हर कोई नहीं कर सकता है, इसके लिए आत्मविश्वास, संकल्प की आवश्यकता रहती है। यह युद्ध स्वयं का स्वयं के विरुद्ध है। उन्होंने कहा मनुष्य की आकांक्षाएं, अरमान इतने रहते हैं कि वे उनसे भी नहीं झूंझ पाते। वे उसके आगे के लिए तो हाथ मलते रह जाते। आनंद ऋषिजी की दीक्षा के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि बालक नेमीचंद को माता हुलसाबाई से रत्न ऋषि महाराज के आग्रह पर दीक्षा की अनुमति मिली। मात्र 13 वर्ष की अल्पायु में बालक नेमीचंद मुनि आनन्द ऋषि बन गए। युवाचार्यश्री ने दीक्षा का अर्थ बताते हुए कहा दीक्षा शक्ति साधना का ट्रांसफोर्मेशन है। यह बड़ी परंपरागत साधना विधि है जो शक्ति का ट्रांसफोर्मेशन कराती है। रत्न ऋषि महाराज के पास साधना व ज्ञान का बल था। उन्होंने कहा साधना के बिना संयम सफल नहीं होता। संयम वही सुदृढ़ हो सकता है जिसमें स्वाध्याय का आलंबन हो। आगम की शिक्षा गुरु की साक्षी में लेनी चाहिए। उस सोलह साल के संत ने कई संतों के साथ रहकर अध्ययन, स्वाध्याय किया। उन्होंने कहा यदि ज्ञानार्जन करना है तो थोड़ा बहुत सहन करना पड़ेगा। मालव केसरी सौभाग्यमल जी महाराज की पुण्यतिथि पर गुणानुवाद करते हुए युवाचार्य श्री कहा कि सौभाग्यमलजी महाराज के आग्रह पर आनंद ऋषिजी ने आचार्य पद स्वीकार किया। सौभाग्यमलजी महाराज ने श्रमण संघ की एकता के लिए तन-मन हमेशा तैयार रखा। आज हम आचार्य आनंद ऋषिजी का गुणगान कर रहे हैं, उसके साथ सौभाग्यमलजी महाराज की पुण्यतिथि भी है। हम सभी पर उनके अनेक उपकार है। आगामी 18 अगस्त को लघु आत्मध्यान साधना शिविर एएमकेएम मे युवाचार्यश्री ओर साध्वीवृंद के सानिध्य मे रखा गया है। महासती अणिमाश्री ने आनंद कृतज्ञता के रूप में मधुर स्तवन प्रस्तुत किया। महासंघ के मंत्री धमीचंद सिंघवी ने बताया कि मंगलवार को श्राविका दया का आयोजन होगा। इस दौरान सूरत से पधारी वितराग आराधिका निशा जैन ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को विशेष आत्म ध्यान साधना का प्रयोग कराया। उनके साथ सुरत से तुलसी भाई चपलोत परिवार सहित और चालीसगांव से कई श्रद्धालु युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ उपस्थित हुए इन सभी अतिथियों का महासंघ के अध्यक्ष सुरेशचंद लुणावत,महामंत्री धमीचंद सिंघवी, स्वागत अध्यक्ष सज्जनराज तातेड़ा, कोषाध्यक्ष महावीर चंद कोठारी महावीर गादिया और महिला मंडल की बहनों ने स्वागत किया।धर्मसभा का संचालन कमल छल्लाणी ने किया।

जीवन में नहीं भूला पाएंगे ज्ञानदाता गुरूणी मैया के उपकार-कंचनकंवरजी म.सा.

पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. की पुण्यस्मृति में गुणानुवाद सभा का आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. की पुण्यस्मृति में श्रीसंघ महावीर भवन बापूनगर के तत्वावधान में तीन दिवसीय समारोह के अंतिम दिन सोमवार को श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा. 'मधुकर' के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.'भीम' की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। इसमें साध्वीवृन्द के साथ श्रावक-श्राविकाओं ने भी पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. के प्रति भाव अभिव्यक्ति की। पूज्य कंचनकंवरजी म.सा. ने गुरूणी कानकंवरजी की पावन प्रेरणादायी स्मृतियों की चर्चा करते हुए कहा कि गुरू के बिना जीवन अधूरा होता है ओर गुरू ही हमे संस्कार प्रदान करता है। जो कुछ ज्ञान की प्राप्ति हुई है वह गुरू चरणों में समर्पित होने से हो पाई। गुरूणी मैया ने हमेशा दया,दान व परोपकार के लिए प्रेरणा प्रदान की ओर जिनशासन की सेवा के लिए सदा समर्पित रही। ऐसी महान गुरूणी मैया सदा हमारे जीवन को पथ प्रदर्शित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि पूज्य गुरूणी मैया तप, त्याग, साधना ओर स्वाध्याय में भी अग्रणी रहे ओर जो भी उनके चरणों में आया उसे भरपुर आशीर्वाद प्रदान किया। उनके जीवन से हम यही प्रेरणा ले कि कभी धर्म के कार्यों में प्रमाद नहीं करना चाहिए ओर सदा सेवा के भाव मन में रखने चाहिए। कंचनकंवरजी म.सा. ने गुरूणी मैया की स्मृति में भजन की भी प्रस्तुति दी। धर्मसभा में प्रखर वक्ता साध्वी डॉ.सुलोचनाश्री म.सा. ने दाद गुरूणी कानकंवरजी म.सा. के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेने का आग्रह करते हुए कहा कि वह ऐसी महान साध्वीरत्ना थी जिनके जीवन से बहुत कुछ सीखने के लिए हम मिलता है। उनका जन्म व दीक्षा स्थल कुचेरा गांव रहा। विभिन्न स्थानों पर विचरण करते हुए उन्होंने जिनवाणी को जन-जन तक पहुंचाया ओर दया, प्रेम व मैत्री का संदेश मानव समाज को दिया। उनके व्यक्तिव में शीतलता,सौम्यता व गंभीरता कूटकूट कर भरी हुई थी। उनकी हमारे पर कृपादृष्टि रहने से जो ज्ञान सीखा उसे आप तक पहुंचा रहे है। उनकी साधना गजब की थी ओर उनके जीवन में कई ऐसे चमत्कार हुए जिनकी चर्चा आज भी संघ-समाज में होती है। संयम जीवन में सभी क्रियाओं व मयार्दाओं की पालना करते हुए उन्होंने जिनशासन की ऐसी प्रभावना की जिसे शब्दों से बयां करना सहज नहीं है। मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. ने भी दाद गुरूणी कानकंवरजी म.सा. के प्रति श्रद्धाभाव व्यक्त करते हुए कहा कि वह सभी भाग्यशाली है जिन्हें उनका दर्शन व आशीर्वाद मिला। उनका जीवन गुणों से भरपुर ओर धर्म के लिए समर्पित था। उनके उपकारों को कभी नहीं भूला पाएंगे। साध्वीश्री ने भजन के माध्यम से भी पूज्य दाद गुरूणी के प्रति भावाजंलि अर्पित की। गुणानुवाद सभा में प्रेमचंद गुगलिया, दलपतसिंह सेठ, इन्दुलता चौधरी आदि ने भी पूज्य कानकंवरजी म.सा. के प्रति मन के भाव व्यक्त किए। रविवार को हुई प्रश्नपत्र प्रतियोगिता परिणाम भी घोषित किए गए। प्रतियोगिता में प्रथम नीता मेहता एवं आशा चौधरी, द्वितीय प्रकाश नाहर एवं चंचल रूणीवाल तथा तृतीय सुभाष बाफना रहे। विजेताओं को श्रीसंघ द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। धर्मसभा का संचालन बापूनगर श्रीसंघ के मंत्री अनिल विश्नोत ने किया। श्रीसंघ के संरक्षक लादूलाल बोहरा ने पूज्य कानकंवरजी म.सा. स्मृति तीन दिवसीय आयोजन सफल बनाने पर आभार जताया।

आचार्य सम्राट आंनदऋषिजी म.सा. की जयंति पर आयम्बिल तप 4 अगस्त को

चातुर्मास के तहत 4 अगस्त को श्रमण संघीय आचार्य सम्राट आंनदऋषिजी म.सा. की जयंति मनाई जाएगी। इस अवसर पर आयम्बिल तप की आराधना भी होगी। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन सुबह 9 से 10 बजे तक प्रवचन हो रहे है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप भी महावीर भवन के प्रांगण में हो रहा है। पूज्य साध्वीप्रवर के सानिध्य में हर रविवार को नवयुवक मण्डल ओर महिला मण्डल की क्लास आयोजित कर धर्म ज्ञान पर चर्चा हो रही है।

अनिल विश्नोत, मंत्री

खुशी हो या गम समभाव में रहे हम, श्रेष्ठ गुणस्थान पाकर जीवन सुधर जाएगाः आचार्य सुंदरसागर महाराज

गुणस्थान उपर उठाने के लिए देव,शास्त्र व गुरू की शरण में रहना होगा। शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन में सुख दुःख आगमन के निमित बनते रहते है। हमे इन निमितों से प्रभावित होने से बचना है। हमे मन के अनुकूल मिले तो खुशी व सुख की अनुभूति होती है ओर मन के विपरीत हो जाए तो दुःख ओर गम महसूस होता है। सुख में अति उत्साहित नहीं होना चाहिए तो दुःख में निराश होकर घबराना नहीं होना चाहिए। निमितों से प्रभावित हुए बिना हमेशा समभाव में रहने का प्रयास करना चाहिए। इससे भावों की विशुद्धता नहीं गिरेगी तो हमारा गुणस्थान भी नहीं गिरेगा। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) प्रवचन के तहत सोमवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गुणस्थान उपर उठाने के लिए देव,शास्त्र व गुरू की शरण में रहना होगा। इससे आपके चिंतन व विचारों में, भावों के परिभ्रमण में पावनता व विशुद्धि आएगी। बिना भाव पवित्र हुए हम अपने श्रेष्ठ गुणस्थान की प्राप्ति नहीं कर सकते। हमे धर्म के प्रति आस्थावान रहते हुए मन में हमेशा यह भाव रखने चाहिए कि हम उत्तम कर्म कर अपने गुणस्थान को अधिक उपर उठा सकते है। जिनके जीवन में गुणस्थान उपर उठता जाता है उनका यह भव ओर परभव दोनों सुधर जाते है। इससे पूर्व धर्मसभा में आर्यिका माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हम दुनिया की नजर में जैन लेकिन जैनत्व के सिद्धांतों की पालना अपने जीवन में नहीं करते है। हमे जन्म से ही नहीं कर्म से भी जैन बनने की जरूरत है। हम अपने धर्म के प्रति श्रद्धावान ओर आस्थावान रहना होगा ओर पूर्ण निष्ठाओं से धार्मिक क्रियाओं व मयार्दाओं के अनुरूप हमारा आचरण होना चाहिए। हमेशा याद रखना होगा कि देव,शास्त्र व गुरू की शरण में जाने पर ही जीवन में सुखों की प्राप्ति ओर दुःखों से मुक्ति मिलेगी। इनकी शरण में गए बिना हम अपनी गति को नहीं सुधार सकते। सभा के अंत में आर्यिका माताजी को, क्षुल्लक, क्षुल्लिकाओं, त्यागीवृतियों को पुण्यार्जक परिवारों द्वारा वस्त्र भेंट किए गए। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में बाहर से पधारे भक्तगणों द्वारा दीप प्रज्वल करने के बाद पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट किए गए। उनके द्वारा भक्तिपूर्ण माहौल में मंगलाचरण की प्रस्तुति भी दी गई। धर्मसभा का संचालन पदमचंद काला ने किया। प्रातःकाल की नित्य धर्म क्रिया में श्रीमती मनोरमा देवी ठग परिवार द्वार प्रभु पर शांति धारा की गई। समिति के मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि वर्षायोग के नियमित कार्यक्रम श्रृंखला के तहत प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे भगवान का अभिषेक शांतिधारा, सुबह 8.15 बजे दैनिक प्रवचन, सुबह 10 बजे आहार चर्या, दोपहर 3 बजे शास्त्र स्वाध्याय चर्चा, शाम 6.30 बजे शंका समाधान सत्र के बाद गुरू भक्ति एवं आरती का आयोजन हो रहा है। राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज के मुखारबिंद से जिनवाणी श्रवण करने के लिए प्रतिदिन सैकड़ो श्रावक-श्राविकाएं उमड़ रहे है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से प्रवचन लाभ पाने के लिए श्रावक-श्राविकाएं सुपार्श्वनाथ पार्क पहुंच रहे है।

भागचंद पाटनी, मीडिया प्रभारी

रूप को नहीं स्वरूप को सुंदर बनाने की जरूरतः मुनि श्री समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। टोंक रोड स्थित कीर्ति नगर जैन मंदिर में सोमवार को हुई धर्मसभा को संबोधित करते हुए परम पूज्य आचार्य श्री 108 विषुद्ध सागर के परम प्रभावक षिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने कहा कि जीव ने आज तक सदैव पर यानि बाहरी वस्तुओं की ओर ही दृष्टि लगाई है लेकिन स्वरूप की ओर से कभी दृष्टि नहीं बनाई है,जब तक हमारी दृष्टि बाहरी वस्तुओं पर रहेगी तब तक हम स्वयं को कैसे जानेगे। जीवन में सच्चे सुख की प्राप्ति तभी होगी जब हम अपनी दृष्टि बाहरी वस्तुओं से हटाकर अंतरंग की ओर ले जाएगी तभी हमें परमानंद की प्राप्ति होगी। व्यक्ति को रूप को नहीं स्वरूप को सुंदर बनाना चाहिए। जब हम स्वरूप यानि अंदर की दृष्टि की निर्मल बनाओगे,तभी हम आनंद की प्राप्ति होगी। उन्होंने आगे कहा कि संसार में सत्यता का परिचय कराने वाली जिनवाणी है,ऐसी जिनवाणी की मां की शरण में जाने से ही हमें संसार की सत्यता का परिचय होता है। जीवन में सफलता व असफलता दोनों ही आती है,असफलता मिलने पर जो दुखी होता है,वह व्यक्ति जीवन में सफल नहीं होता है,सफल वहीं होता है जो असफलता को संभाल लेता है। प्रचार प्रसार मंत्री आशीष बैद ने बताया कि महाराजश्री के मंगलवार प्रवचन सुबह 8.15 बजे होंगे।

चातुर्मास 2024 भगवान महावीर को समर्पित होगा: आचार्य श्री शशांक सागर जी

मुख्य कलश की स्थापना समाज सेवी अशोक चांदवाड ने की

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज मुनिश्री 108 संदेश सागर जी महाराज के पावन चातुर्मास की मंगल स्थापना आज वरुण पथ स्थित गायत्री भवन में आयोजित ऐतिहासिक कार्यक्रम में की गई। समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि आचार्य श्री के चातुर्मास का मुख्य मंगल कलश स्थापित करने का सौभाग्य अशोक, शकुंतला, अंकित, प्रियंका आदिश ,जेनिशा राकेश ममता चांदवाड़ को प्राप्त हुआ। रत्नत्रय कलश प्राप्त करने का सौभाग्य निर्मल श्रीमती भंवरी देवी काला, सुनील अनीता पंकज मीनाक्षी गंगवाल मानसरोवर एवं अनिल कुमार सुनील कुमार राकेश गंगवाल जनता कॉलोनी को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार पंच परमेष्ठी कलश प्राप्त करने का सौभाग्य हिमांशु जैन दुगार्पुरा , सुरेंद्र माया जैन प्रेम नगर, विनय स्नेह लता सोगानी मंगल विहार, मधु चांदवाड श्याम नगर, धीरज पाटनी झोटवाड़ा को प्राप्त हुआ। प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि मंगल कलश की श्रृंखला में 24 तीर्थंकरों के 24 कलश 64 रिद्धि कलश एवं 108 कलश को विराजमान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को मंगल आशीर्वाद देते हुए परम पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि प्रदेश भर से आए मेरे सभी भक्तों को भगवान महावीर की पावन धरा पर बहुत-बहुत मंगल आशीर्वाद मेरा यह चातुर्मास भगवान महावीर के सिद्धांतों और उनके विचारों को आत्मसात करने के लिए जाना जाएगा। इस चातुर्मास में जिस किसी परिवार ने मंगल कलश की स्थापना की है भगवान महावीर उन सभी भक्तों का कल्याण करेंगे। समाज समिति के मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि कलश स्थापना से पूर्व श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में सुरेंद्र माया आयुष लीना भाविका वैदेही जैन परिवार द्वारा झंडारोहण कर शुभारंभ किया गया इसके पश्चात कार्यक्रम स्थल गायत्री भवन में भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य ओमप्रकाश रेखा विनय ओनल मनीत जैन बडजात्या परिवार को प्राप्त हुआ है परम पूज्य गुरुदेव का पाद पक्षालन करने का सौभाग्य मानक चंद कांता देवी मुकेश अनीता नितिन गरिमा बडजात्या परिवार लालसोट वालों को प्राप्त हुआ पूज्य गुरुदेव को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य विजय कुमार आशा विराट मीनू गुमान दीवान परिवार को प्राप्त हुआ भगवान महावीर के चित्र अनावरण करने का सौभाग्य संजय शीला शक्ति अपूर्व नेहा विपिन एवं समस्त काला परिवार को प्राप्त हुआ है।

विद्यालयों में मोटिवेशनल स्पीच कार्यक्रम संपन्न हुआ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक मंच द्वारा विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों में मोटिवेशनल स्पीच संस्कार युक्त संवाद अभियान संपन्न हुआ। वरिष्ठ नागरिक मंच के अशोक कुमार धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला छाबड़ा दंपति ने विभिन्न राजकीय एवं निजी विद्यालयों में 22 जुलाई से 29 जुलाई तक विद्यालय के बालक- बालिकाओं को मोटिवेशनल स्पीच संस्कार युक्त देकर उनके भविष्य को उज्जवल बनाने का मार्गदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक स्टाफ ने श्रीमती एवं अशोक छाबड़ा का सम्मान कर उनके द्वारा किये जा रहे मोटिवेशनल स्पीच कार्यक्रम की प्रशंसा करते आभार व्यक्त किया। भविष्य में इस प्रकार के शिक्षाप्रद कार्यक्रम निरंतर करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक मंच द्वारा सभी विद्यालय में तोल करने की मशीन प्रदान की गई।

क्षमा आत्मा का श्रंगार है: मणिप्रभा श्रीजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। गलता गेट स्थित मोहनबाड़ी जैन मंदिर परिसर में सोमवार को हुई धर्मसभा को संबोधित करते हुए मरुधर ज्योति परम पूज्य मणिप्रभा श्रीजी महाराज साहब ने कहा कि ''क्षमा वीरस्य भूषणम'' क्षमा आत्मा का श्रंगार है, क्रोध विकार। क्षमा स्वभाव है, क्रोध विभाव, स्वभाव त्रैकालिक होता है, विभाव तात्कालिक स वर्तमान में हमारा मूल स्वभाव अप्रगट है, आवृत है। जैसे जल को कितना भी उष्ण किया जाए, अंततोगत्वा वह शीतलता को प्राप्त होगा, इसी तरह कोई कितना भी क्रोध करे, अंत में वह शांत होगा ही। उन्होंने आगे कहा कि भगवान महावीर ने जैन शास्त्र ह्यह्यस्थानांग सूत्रह्यह्य में 4 प्रकार के शूर कहे हैं - युद्ध शूर, तप शूर, दान शूर व क्षमा शूर स सर्वश्रेष्ठ क्षमा शूर जो केवल प्रतिकूल नहीं अनुकूल परिस्थिति में भी सम रहे। भगवान ने अपने जीवन से हमें संदेश दिया कि ह्यह्यबदला मत लो, बदलकर दिखाओं क्षमा उस फलदार वृक्ष की तरह है, जो पत्थर की चोट खाकर भी मीठे फल देता है ज्ञानसार में कहा गया है ज्ञान का परिपाक शम हैं भोजन पचता है, तो शरीर को शक्ति मिलती है, ऐसे ही ज्ञान पचता है, तो चारों कषाय सहज उपशक्ति हो जाते है। संघ मंत्री देवेन्द्र कुमार मालू ने बताया कि इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाराज साहब के प्रवचनों का लाभ लिया।

सूरसदन प्रेक्षाग्रह पर संपन्न हुआ चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह

बड़ी संख्या में भक्त हुए सम्मिलित

आगरा. शाबाश इंडिया

मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज एवं मुनि श्री विश्वसौम्य सागर जी महाराज का 24वां पावन वषायोग मंगल कलश स्थापना मुनिश्री विद्मबर सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य एवं अर्पितमय पावन वषायोग समिति ग्रेटर कमला नगर के तत्वावधान में आगरा के एमजी रोड़ स्थित सूरसदन प्रेक्षाग्रह पर 28 जुलाई को आयोजित हुओकार्यक्रम का शुभारंभ भक्तों ने सभी उपाध्याय संघ के साथ एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत से भव्य शोभायात्रा निकालकर कियो शोभायात्रा के कार्यक्रम स्थल पहुंचकर सौरभ जैन ने मंगलाचरण किया और ध्वनि म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने भजन गायन प्रस्तुत कियोअर्पितमय पावन वषायोग समिति के पदाधिकारीओं ने उपाध्यायश्री के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। समाधिस्थ आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्ज्वलन कियो राशि जैन कोरियोग्राफर के निर्देशन में आगरा नगर की समस्त महिलाओं एवं बालिकाओं ने बहुत सुन्दर भक्ति गीत पर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। सौभाग्य शाली भक्तों ने उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज का पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किए। इस दौरान अर्पितमय पावन वषायोग समिति के पदाधिकारीओं एवं भक्तों ने उपाध्याय श्री के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया । बाहर से पधारे सभी भक्तों ने संगीतमय भक्ति नृत्य करते हुए अष्ट द्रव्यों की थाल सजाकर उपाध्यायश्री का पूजन किया। इस अवसर पर बाहर से पधारे सभी अतिथियों का वषायोग समिति ने माला,दुपट्टा पहनाकर एव तिलक लगाकर और प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया । कार्यक्रम के मध्य में भक्तों को उपाध्यायश्री की मंगल वाणी श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुआ। मुख्य मंगल कलश प्रदीप जैन पीएनसी परिवार को प्राप्त हुआ द्वितीय मंगल कलश सुनील जैन नरेन्द्र जैन परिवार तृतीय मंगल कलश रोहित जैन अहिंसा परिवार चौथा मंगल कलश निर्मल जैन मोठ्या परिवार पांचवा मंगल कलश जगदीश प्रसाद जैन एवं पीयूष जैन परिवार को प्राप्त हुआ।और अन्य मुख्य कलश सौभाग्य शाली परिवारों ने प्राप्त किया। इसके बाद सभी सौभाग्यशाली परिवारों ने मुख्य पांच चातुर्मास मंगल कलश एवं अन्य मुख्य कलशों को पंडित संदीप जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ मंदिर परिसर पर स्थापित किऐ कार्यक्रम का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल एवं उमेश जैन द्वारा किया । इस कार्यक्रम में केन्द्रीय कैबिनेट मन्त्री एवं सांसद एसपी सिंह बघेल,एवं सांसद राज्यसभा नवीन जैन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम की व्यवस्था ज्ञानोदय क्लब के सदस्यों द्वारा संभाली गई । इस अवसर पर गौरवाध्यक्ष प्रदीप जैन पीएनसी, चक्रेश जैन,अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन,राकेश जैन पदेवाले, सुनील जैन ठेकेदार महामंत्री रोहित जैन,मुख्य संयोजक मनोज जैन बाकलीवाल यशपाल जैन, विमल जैन मारसंस शिखर जैन सिंघई,मुकेश जैन रपरिया के अलावा विभिन्न नगरों की सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट : मीडिया प्रभारी शुभम जैन

भक्ति करने वाले की इन्द्र नरेंद्र भी सेवा करते हैं : आचार्य श्री समयसागरजी महाराज

चातुर्मास स्थापना समारोह में पहुंची अशोक नगर कमेटी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो में विराजमान नवाचार्य श्री समयसागरजी महाराज ससंघ ने स्वर्णोदय तीर्थ खजुराहो में अपने चातुर्मास कलश की स्थापना की इस दौरान देशभर के भक्तों के साथ ही दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी व श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी ने आचार्य श्री को श्री फल भेंट कर शुभ आशीर्वाद प्राप्त किया चातुर्मास स्थापना समारोह को सम्बोधित करते हुए नवाचार्य श्री समयसागर जी महाराज ने कहा कि बड़े बड़े पद भी भगवान की भक्ति से विना मांगे ही मिल जाते हैं मांगने से तो भीख भी नहीं मिलती जव विन मांगे ही सब कुछ मिलता है तो मांगने की आवश्यकता ही क्या है इस बात को संसार प्राणी समझना होगा उन्होंने कहा कि भोगों की आकांक्षा के विना जिनेन्द्र भगवान की भक्ति करना चाहिए विना किसी इच्छा के भगवान की भक्ति करने से सब कुछ अपने आप मिलता चला जाता है। **अशोक नगर समाज ने श्री फल भेंट किए:** इसके पहले अशोक नगर जैन समाज राकेश कासंल उपाध्यक्ष प्रदीप तारई महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई पार्श्वनाथ मंदिर संयोजक मनोज रन्नौद राधेलाल धुर्रा दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी महामंत्री विपिन सिंघई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल पूर्व कोषाध्यक्ष मनोज भैसरवास आडिटर राजीवचन्देरी परमसंरक्षण शैलेन्द्र दददा पवन वर्तन महेश घमंडी प्रमोद मंगल दीप हेमंत हेमू देवेन्द्र जैन सहित अन्य प्रमुख जनो ने श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस दौरान चातुर्मास कलशों की स्थापना देशभर से पहुंचे श्रेणी जनों की इसके साथ ही आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज की संगीत के साथ महापूजा की गई इस दौरान देशभर से पहुंचे भक्तों ने आचार्य श्री को श्री फल भेंट किए।